## श्रम विभाग

## दिनांक 17 नवम्बर, 1987

सं ब्रो विव /न् इगांव / 35-87 / 45740.—चूं कि हिरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ०(1) परिवहन धायुक्त, हिरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रबन्धक, हिरियाणा राज्य परिवहन रिवाड़ी, के श्रमिक श्री नरण कुमार हैल्पर, पुत्र श्री हिरि सिंह, गांव गागरवास, डाकखाना वावामीश्रा, जिला महेन्द्रगढ़ तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

मोर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, मब, मोद्योगिक विवाद मित्रियम, 1947, की घारा 10 की उपघारा (1) के बण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त मिद्यिनयम की घारा 7 क के मधीन गठित भीद्योगिक मिद्यिक्तरण, हरियाण:, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादमस्त मामला/मामले हैं प्रयाद्या विवाद से सुसंगत या संवन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एव पचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री नरेश कुमार, हैल्पर, की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि वि । गृड्गांव | 275-87 | 45744 — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ० (1) ग्रंसल ग्रुप आफ कम्पनीज ,सुशान्त लोक , महरोली रोड़ , गृड्गांव , (2) ग्रंसल भोपर्टी इण्डस्ट्रीज , 115 , ग्रंसल भवन , 16 , कस्तूरबा गांधी मार्ग, ग्यू देहली , के श्रीमक श्री रित राम मार्फत श्री मुरली कुमार , महासचिव , 5/1 , शिवाजी नगर ,गृड्गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ट (घ) द्वारा प्रदान की गई गर्वितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7 क के ग्रधीन गठित ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामलें जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री रित राम की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/127-87/45748.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० सत्या पैलेस सिनमा, सैनटर 7, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री सतीण चन्द्र दुवे, पुत्र श्री भैरव नाथ, मार्फत हिन्द मजदूर सभा, प्लाट नं० 51-0, सैक्टर 6, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, म्रब, भीक्षोगिक विवाद मधिनियम, 1947, की झारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई भवितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त मधिनियम की धारा 7 क के मधीन गटित मौद्योगिक भिक्तरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिग्ट मामले जो कि उक्त प्रदःधकों तथा श्री को के बीच या तो दिवाद रत मामला/मामले हैं स्थवा विवाद से मुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं स्थाय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिग्ट करते हैं :—

क्या श्री सतीश चन्द्र दुवे की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राईक्त का हकदार हैं ?

> भारः एसः अप्रवासः, उप-सचिवः, हरियाणा सरकारः, श्रम विभागः।